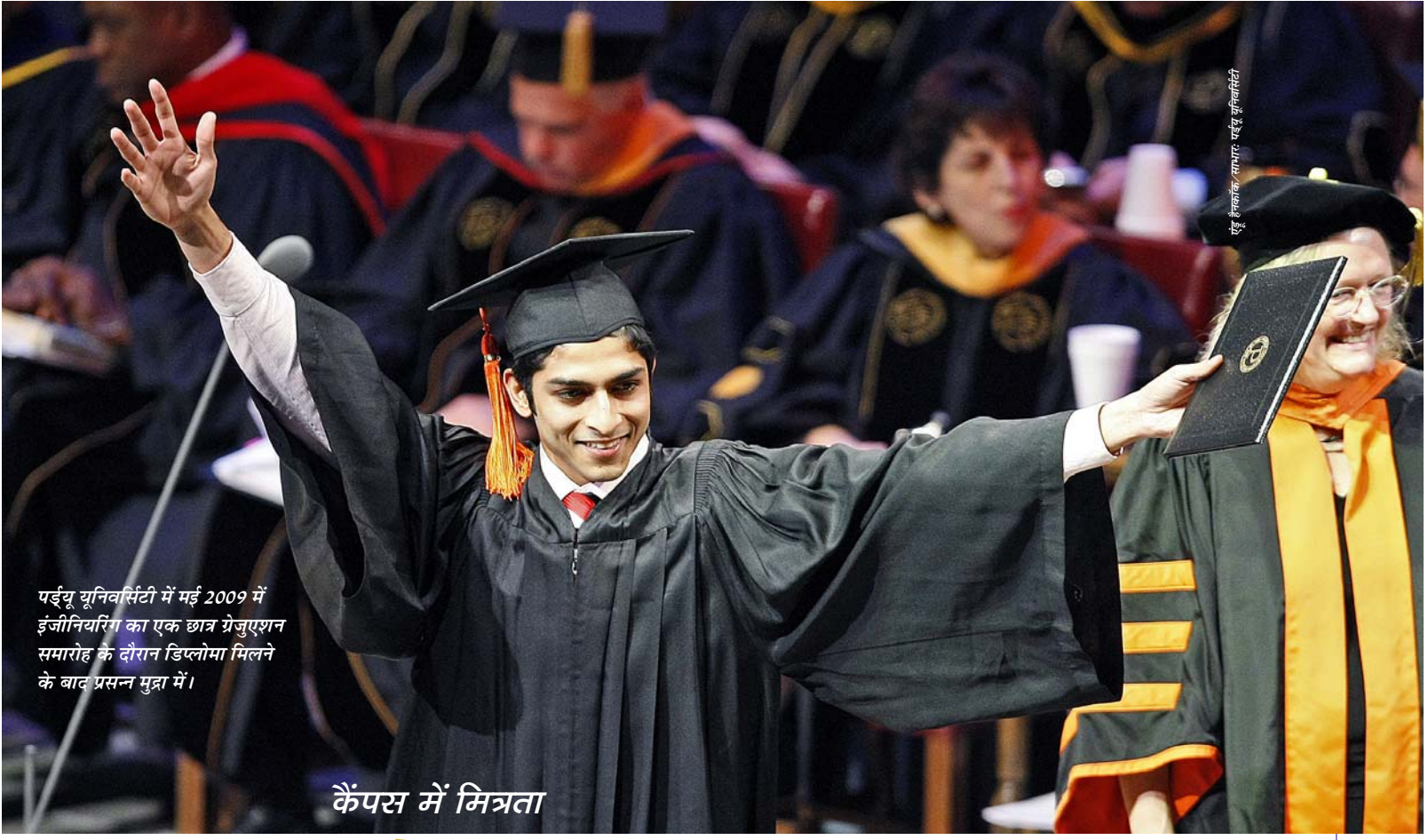

पर्ड्यू यूनिवर्सिटी में मई 2009 में इंजीनियरिंग का एक छात्र ग्रेजुएशन समारोह के दौरान डिप्लोमा मिलने के बाद प्रसन्न मुद्रा में।

फ़ेयू हैम्बर्क/साभार: पर्ड्यू यूनिवर्सिटी

कैंपस में मित्रता

बौद्धिक विकास से बढ़कर

अर्जुन भसीन

अमेरिकी शिक्षा भारतीय विद्यार्थियों को बहुत तरह के अनुभव प्रदान करती है।

पर्ड्यू यूनिवर्सिटी परिसर में अर्जुन भसीन

साभार: अर्जुन भसीन

मैं वेस्ट लफ़ायेट, इंडियाना में पर्ड्यू यूनिवर्सिटी में कम्प्यूटर साइंस में स्नातक स्तर की पढ़ाई में जुटा हूं। मेरे अनुभवों से आपको शायद कुछ मदद मिले।

आपने अपने मनपसन्द विश्वविद्यालय में दाखिला पा लिया, वीज़ा की सब प्रक्रियाएं भी पूरी कर लीं। अब? अब शुरू होता है आप का नया जीवन जो अब तक के आपके जीवन से एकदम ही अलग है। यहां शिक्षा प्रणाली भारत में प्रचलित शिक्षा प्रणाली से बिल्कुल अलग है। सबसे अच्छी बात यह है कि हमारे प्रोफ़ेसर लोग हमें अपने दोस्त मानते हैं और अपने पहले या कुलनाम से पुकारने को कहते हैं। एक बार मेरे एक दोस्त ने अपने प्रोफ़ेसर को ''सर'' कह कर

फोटो: साभार पर्ड्यू यूनिवर्सिटी

पुकारा तो उन का जवाब था ''मैं अपने पहले नाम से पुकारा जाना पसन्द करता हूं, वैसे तुम मुझे चॉक वाला आदमी भी कह सकते हो।'' मैं पीएच. डी. की पढ़ाई किए हुए, अपने काम के लिए जानेमाने व्यक्ति से ऐसे जवाब की आशा नहीं कर सकता था। और तब मुझे समझ में आया कि हमसे छात्र-अध्यापक के परम्परागत सम्बन्ध निभाने की उम्मीद नहीं की जाती। आपके प्रोफ़ेसर आपके सबसे अच्छे दोस्त हो सकते हैं और वह आपकी सफलता के लिए आपके बराबर ही मेहनत करते हैं।

अब मैं ज्यादा जिम्मेदारियां निभाना भी सीख चुका हूं। मैं समझता हूं कि इस लेख को पढ़ रहे ज्यादातर लोगों ने कभी बिजली-पानी के बिल नहीं चुकाए होंगे, न ही अपने कपड़े धोए या थोड़ा बहुत खाना पकाया होगा। मैंने भी यह सब काम कभी नहीं किए थे। लेकिन छात्र के रूप में अमेरिका में रहते आपको ये सब काम करने पड़ते हैं। हां, आप कैम्पस में डॉर्मिटरी में रहते हों तो वहां आपको खाना पका-पकाया मिलता है, बिजली-पानी के बिल नहीं देने पड़ते। लेकिन वहां भी कपड़े तो वाशिंग मशीन में खुद ही धोने पड़ते हैं।

और सब कुछ अच्छा ही अच्छा नहीं होता। मैंने जो सबसे बुरी बात देखी वह यह कि भारतीय छात्र अक्सर भारतीयों के साथ ही सम्बन्ध सीमित रखते हैं और अमेरिकी छात्रों से मिलने-जुलने का खास प्रयास नहीं करते। मेरा विचार है कि आप कॉलेज में एक व्यक्ति के तौर पर अपने विकास के लिए जाते हैं महज पढ़ाई के लिए नहीं। इसलिए अमेरिकी कॉलेज में अपनी उपस्थिति का पूरा फायदा उठाइये, इससे आपको अपने व्यावसायिक और निजी लक्ष्य प्राप्त करने में बहुत सहायता मिलेगी। अगर आप स्नातक स्तर की पढ़ाई करने जा रहे हैं तो पहले (फ्रेशमैन) वर्ष में कैम्पस में ही रहें ताकि वहां चलने वाली सभी गतिविधियों का पूरा आनन्द पा सकें।

अमेरिकी लोग खेलों में भाग लेना बहुत पसन्द करते हैं। भारत में, हम लोग जब अपने दोस्तों से मिलते हैं तो हम बस गप्पें लड़ाते हैं और मॉल या बाज़ारों में घूमते-फिरते हैं। अमेरिकी युवाओं के लिए मौजमस्ती का मतलब है कोई खेल खेलना, क्योंकि वे चुस्त-दुरुस्त और स्वस्थ रहना पसन्द करते हैं। अमेरिका में रहते आप भी जिम में वर्जिश करना और क्रिकेट के अलावा बाकी खेलों में भी हिस्सा लेना पसन्द करने लगेंगे।

मैने कभी सोचा नहीं था कि मैं करीब 400 छात्रों के साथ एक ही कक्षा में पढ़ूंगा। यह मेरे लिए एकदम नई और रोमांचक बात थी। मैंने बहुत से दोस्त बनाए जिससे मेरा कैम्पस पर रहना काफी मजेदार हो गया। मैं अपने प्रोफ़ेसरों से भी लगातार सम्पर्क बनाए रखता था। सबसे बढ़िया लगी मुझे वहां उपलब्ध ऊंचे दर्जे की प्रौद्योगिकी। इंटरनेट की ऐसी तेज़ रफ्तार के बारे में मैंने सोचा भी नहीं था। अपने साथी छात्रों, प्रोफ़ेसरों और काउन्सलरों से मेरा लगभग पूरा सम्पर्क ई-मेल के माध्यम से रहता था।

मेरी यूनिवर्सिटी में प्रायोगिक कार्य पर जोर रहता है। मैं सीखने के लिए सदा उत्सुक रहता हूं और उन सभी गतिविधियों में भाग लेना चाहता हूं जो मेरे विकास में सहायक सिद्ध होंगी। मैं तीन छात्रों के उस दल के लिए चुना जाने वाला एकमात्र फ्रेशमैन छात्र था जिसे कॉर्पोरेट जगत का अनुभव पाने और पढ़ाई पूरी करने के बाद हम जो करेंगे, वह जानने के लिए

ज़्यादा जानकारी के लिए:

यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया एजुकेशनल फ़ाउंडेशन

http://www.usief.org.in/

पर्ड्यू यूनिवर्सिटी

http://www.purdue.edu/

नकल से बचें

http://owl.english.purdue.edu/owl/resource/589/01/

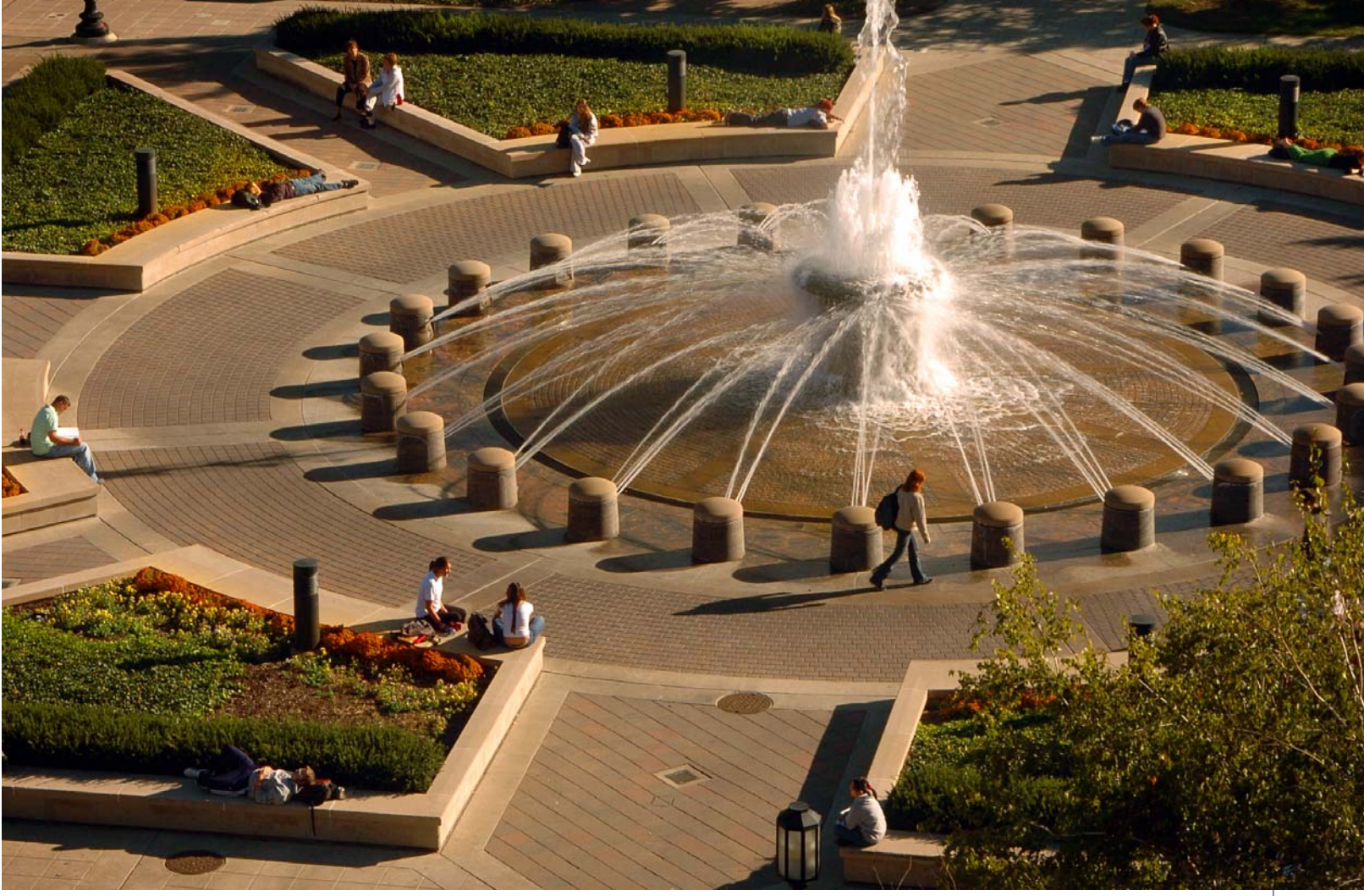

ऊपर बाएं: पर्ड्यू यूनिवर्सिटी में मेमोरियल मॉल का ऊपर से लिया चित्र।
ऊपर: फाउंडर्स पार्क फ़ाउंटेन में आराम करते छात्र।
बाएं: इंजीनियरिंग स्कूल में फाउंटेन।
बाएं नीचे: स्टेट स्ट्रीट, वेस्ट लफ़ायेट, इंडियाना में पर्ड्यू का संकेतक।

एक कम्पनी में भेजा गया। मैंने सोचा भी नहीं था कि पढ़ाई के पहले ही बरस में मुझे ऐसा अवसर मिलेगा। मैं आप सभी को सलाह दे रहा हूं कि ऐसे अवसरों की तलाश करते रहें ।

और मैं नकल के बारे में भी बताना चाहूंगा। भारत में, अगर आप अपना कार्य या परीक्षा में किसी प्रश्न का उत्तर अपने दोस्तों को दिखाएं तो आप बहुत अच्छे दोस्त माने जाते हैं। लेकिन अमेरिका में इसे डकैती से कम नहीं माना जाता। यह एक गम्भीर अपराध है जो आप को भारी झंझट में डाल सकता है। आप भले ही खुद नकल न करें लेकिन किसी को अपनी नकल भी करने दें तो भी आपको विश्वविद्यालय से निकाला जा सकता है।

मुझे आशा है कि इस लेख से आपको अमेरिकी शिक्षा पद्धति और अमेरिकी कैम्पस में जीवन के बारे में कुछ उपयोगी जानकारियां मिली होंगी।

अर्जुन भसीन *पर्ड्यू यूनिवर्सिटी, वेस्ट लफ़ायेट, इंडियाना के छात्र हैं।*